वन उत्पादकता संस्थान, रांची

केंचुआ खाद उत्पादन एवं उपयोग पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम

वन उत्पादकता संस्थान, रांची द्वारा दिनांक 27.03.2018 को वन विज्ञान केन्द्र के तहत वन अनुसंधान केंद्र, मांडर झारखण्ड में केचुआ खाद उत्पादन तकनीकी विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजन किया गया, जिसमें रांची जिले के मांडर ब्लाक के ग्रामीणों, पंचायत सदस्यों एवं गैर सरकारी संस्थाओं के सदस्यों ने भाग लिया| कार्यक्रम के आरम्भ में डा० संजय सिंह, वैज्ञानिक एफ, प्रभागाध्यक्ष, कृषि-वानिकी एवं विस्तार प्रभाग द्वारा प्रशिक्षण कार्यक्रम में उपस्थित प्रतिभागियों को केचुआ खाद की उपयोगिता से अवगत कराया गया, साथ ही उन्होंने इसके उत्पादन के द्वारा आजीविका की संभावनाओं पर प्रकाश डाला| प्रशिक्षण कार्यक्रम में डा० पी. के.दास वैज्ञानिक डी. ने केचुआ खाद बनाने की विधि विस्तार पूर्वक से बताई एवं इसके उपयोग से मिट्टी की उर्वरता में वृद्धि पर वार्तालाप किया| श्री एस.एन.बैद्य, सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी ने गैर परम्परागत केचुआ खाद के विकास और प्रचलन वृद्धि पर संस्थान के प्रयासों पर जानकारी दी| श्री सतीश कुमार, तकीनीकी अधिकारी एवं श्री राकेश कुमार सिन्हा तकनीकी अधिकारी द्वारा केचुआ खाद बनाने का प्रयोगात्मक प्रदर्शन ग्रामीणों के समक्ष किया गया एवं विस्तृत जानकारी से अवगत कराया गया| प्रशिक्षण कार्यक्रम में 28 प्रतिभागियों ने भाग लिया| वन अनुसंधान केंद्र के श्री पवन कुमार सिन्हा एवं श्री प्रशांत कुमार ने भी इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में अपना योगदान दिया|

प्रतिभागियों का पंजीकरण एवं डा . संजय सिंह द्वारा संबोधन

डा. संजय सिंह एवं डा. पी.के दास द्वारा केचुआ खाद पर प्रशिक्षुओं को संबोधन

केचुआ खाद बनाने के लिए डा. पी. के.दास द्वारा संबोधन

डा. पी. के दास द्वारा केचुआ खाद बनाने के लिए बेड बनाने की बिधि

प्रतिभागी द्वारा केचुआ खाद बनाने एवं उपयोग के बारे में प्रश्नोतरी

केचुआ खाद बनाने का प्रयोगात्मक प्रदर्शनी